2020-21 MODEL KEY ANSWERS

Subject : THIRD LANGUAGE HINDI 08/04/2022

****

I. निम्नलिखित प्रश्नों के चार-चार विकल्प दिए गए हैं उनमें से सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए :

8×1=8

1] B] अशिक्षित

2] A] बेटी

3] D] किताबें

4] C] चलाना

5] A] दीर्घ

6] D] राजवंश

7] B] विस्मयादी बोधक

8] D] में

IIनिम्म्लिखित प्रथम दो शब्दों के सूचित संबंधों के अनुरुप तीसरे शब्द का संबंधित शब्द लिखिए :

4×1=4

9] काजू

10] किशनगंज

11] बलराम

12] जल-प्रपात

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक –एक वाक्य में लिखिए :- **4×1=4**

13] एक दुकान पर बहुत अच्छे, रंगदार, गुलाबी सेब सजे हुए नजर आए।

14] गिलहरी गर्मी के दिनों में सुराही पर लेट जाता था।

15] बहाने बनाने का प्रमुख कारण आलस है।

16] भारत/मातृभूमि के खेत हरे-भरे और सुहाने हैं।

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो –तीन वाक्यों में लिखिए :- **8×2=16**

17] ई-गवर्नेंस द्वारा सरकार के कामकाज का विवरण, अभिलेख, सरकारी आदेश आदि को यथावत् लोगों को सूचित किया जाता है। इससे प्रशासन पारदर्शी बनता है।

18] दुकानदार ने लेखक से कहा, "बाबूजी, बड़े मजेदार सेब आये हैं, खास कश्मीर के। आप ले जाएँ, खाकर तबीयत खुश हो जायेगी।"

19]] बसंत ईमानदार लड़का था । वह मेहनत से पैसा कमाना चहता था । मुफ़्त में देनेवाले पैसों को वह भीख समझता था । इस्लिए बसंत राजकिशोर से पैसे लेने से इनकार करता है ।

20] बजेंद्री को बचपन में रोज पाँच किलोमीटर पैदल चल कर स्कूल जाना पड़ता था। सिलाई का काम करके पढ़ाई का खर्च जुटाए। वह अपने भाई के साथ अक्सर पहाड़ों पर भी जाती थी।

21] मनुष्य को हमेशा उद्योगी होना चाहिए। अगर वह परिश्रमी रहे, समय को न गँवाकर उसका सदुपयोग करे तब उसे सुख की प्राप्ति संभव है।

22] यशोदा कृष्ण के क्रोध को शांत करने के लिए इस तरह कहती है – हे कृष्ण ! सुनो । बलराम जन्म से ही चुगलखोर है । मैं गोधन की कसम खाकर कहती हूँ , मैं ही तेरी माता हूँ और तुम मेरे पुत्र हो ।

23] शनि का सबसे बड़ा चंद्र टाइटन सौर-मंडल का सर्वाधिक महत्वपूर्ण और दिलचस्प उपग्रह है । टाइटन हमारे चंद्र से भी काफ़ी बड़ा है । इसका व्यास 5150 किलोमीटर है ।

[अथवा]

पृथ्वी की अपेक्षा शनि सूर्य से करीब दस गुना दूर है । इस कारण सूर्यताप शनि पर बहुत कम पहुँचता है, इसीलिए शनि को ठंडा ग्रह कहा गया है ।

24] शास्त्रों में सत्य बोलने को कुछ इस तरह समझाया है ।

'सत्यं ब्रूयात्, प्रिय ब्रूयात्, न ब्रूयात् सत्यमप्रियम्' अर्थात्,

'सच बोलो जो दूसरों को प्रिय लगे, अप्रिय सत्य मत बोलो।'

[अथवा]

सत्य! बहुत भोला-भाला, बहुत ही सीधा-सादा ! अपनी आँखों से जो देखा, बिना नमक-मिर्च लगाए बोल दिया- यही सत्य होता है । दृष्टि का प्रतिबिंब, ज्ञान की प्रतिलिपि और आत्मा की वाणी ही उसका रूप होता है ।

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन-चार वाक्यों में लिखिए :- 9×3=27

25] महादेवी वर्मा जी का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू उनके पैर तक आकर सर्र से पर्दे पर चढ़ जाता और उसी तेजी से उतरता ।

- लेखिका उसे पकड़ने के लिए उठने तक उसका यह क्रम चलता ही रहता था ।
- महादेवी वर्मा जी को चौकाने के लिए गिल्लू कभी फूलदान के फूलों में कभी परदे की चुन्नट में और कभी सोनजुही की पत्तियों में छिप जाता था ।
- लेखिका की गैर हाजरी में जब उनके कमरे का दरवाजा खोला जाता गिल्लू अपने झूले से उतरकर दौड़ता और फिर किसी दूसरे को देख कर अपने घोंसले में जा बैठता था ।
- उन दिनों वह अपना प्रिय खाद्य काजू को भी कम खाता था।

26] जैनुलाबदीन नमाज के बारे में कहते थे, जब तुम नमाज पढ़ते हो तो तुम अपने शरीर में इतर ब्रह्मांड का एक हिस्सा बन जाते हो, जिसमें दौलत, आयु, जाति या धर्म-पंथ का कोई भेदभाव नहीं होता।

27] सोशियल नेटवर्किंग एक क्रांतिकारी खोज है जिसने विश्वभर के लोगों को एक जगह लाकर खडा कर दिया है । इसके कई साईट्स है , फेसबुक, ट्विटर आदि जिनके द्वारा देश-विदेश के लोगों की वेश-भूषा, रहन-सहन, खान-पान के साथ-साथ संस्कृति तथा कला का अति शीघ्र रूप में प्रचार हो रहा है ।

28] लेखक दूसरे दिन बैठक में जाने के लिए धूप का चश्मा खोजने लगे, तो नहीं मिला। चाय की छुट्टी में एक सज्जन आये। कहने लगे, "बड़ी चोरियाँ होने लगी हैं। देखिए, आपका धूप का चश्मा ही चला गया।' यह धूप का चश्मा लगाये थे। पहले दिन यह उनके पास नहीं था। वह लेखक का ही चश्मा था। वह लेखक का चश्मा लगाये इतमीनान से बैठे थे।

29] एवरेस्ट पर चढ़ने के दिन बसेंद्री सुबह चार बजे उठ गई। बर्फ पिघलाकर चाय बनाई। कुछ बिस्कुट और आधी चॉकलेट का हल्का नाश्ता किया। उसके पश्चात् वह लगभग साढ़े पाँच बजे अपने तंबू से निकल पड़ी।

30] भारत माँ के खेत हरे-भरे और सुहाने है । वन-उपवन फ़म-फ़ूलों से युत है । भारत भूमि के अंदर खनिजों का व्यापक धन भरा हुआ है । भारत माता सुख-संपत्ति और धन-धाम को मुक्त हस्त से बाँट रही है । इससे भारात माता का प्रकृति-सौन्दर्य बढ़ गया है।

31] आज मनुष्य ने अपनी बुद्धि और सामर्थ्य का उपयोग करके प्रकृति के सभी क्षेत्रों में (आकाश, पाताल, धरती) विजय प्राप्त कर ली है। विजयी पुरुष प्रकृति पर आसीन है। प्रकृति को विकृत कर दिया है। प्रकृति के सहज स्वरूप को असहज स्वरूप बना दिया है।

32] **भावार्थ :-** प्रस्तुत दोहे में तुलसीदास जी कहते हैं कि – दया धर्म का मूल है और अभिमान पाप का । इसलिए जब तक शरीर में में प्राण है, तब तक मानव को अपना अभिमान छोड़कर दयालु बने रहना चाहिए ।

33] ಕರ್ನಾಟಕದ ಪ್ರಕೃತಿ ಸೌಂದರ್ಯ ನಯನಮನೋಹರವಾಗಿದೆ.ಪಶ್ಚಿಮದಲ್ಲಿ ವಿಶಾಲವಾದ ಅರಬ್ಬೀಸಮುದ್ರವಿದೆ. ದಕ್ಷಿಣದಲ್ಲಿ ನೀಲಗಿರಿ ಪರ್ವತಗಳಿವೆ.

VI निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच-छ: वाक्यों में लिखिए :- **2×4=8**

34] कर्नाटक के साहित्यकारों ने सारे संसार में कर्नाटक की कीर्ति फैलायी है। वचनकार बसवण्णा क्रांतिकारी समाज सुधारक थे। अक्कमहादेवी, अल्लमप्रभु, सर्वज्ञ, जैसे अनेक संतों ने अपने अनमोल वचनों द्वारा प्रेम, दया और धर्म की सीख दी है। पुरंदरदास, कनकदास आदि भक्त कवियों ने भक्ति, नीति, सदाचार के गीत गाये हैं। पम्प, रन्न, पौन, कुमारव्यास, हरिहर, राघवांक आदि ने महान् काव्यों की रचना कर कन्नड साहित्य को समृद्ध बनाया है।

[अथवा]

कर्नाटक राज्य की शिल्पकला अनोखी है। बादामी, ऐहोले, पट्टदकलु में जो मन्दिर है उनकी शिल्पकला और वस्तुकला अद्भुत है। बेलूर, हलेबीडू, सोमनाथपुर के मन्दिरों में जो पत्थर की जो मूर्तियाँ हैं, वे सजीव लगती हैं। श्रवणबेलगोल में 57 फूट ऊँची गोमटेश्वर की एक शिला प्रतिमा है जो दुनिया में त्याग और शांति का संदेश दे रही है। का संदेश दे रही है।

35] निम्नलिखित कवितांश पूर्ण कीजिए।

35] निम्नलिखित कवितांश पूर्ण कीजिए।

असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो,
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो।
जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम,
संघर्ष का मैदान छोडकर मत भागो तुम।

VII. 36].गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 4×1=4

अ] जुलाहे का स्वभाव बड़ा शांत और निश्चल था।
आ] लोग जुलाहे के पास कोई समस्या लेकर जाते थे।
इ] उसके शांत स्वभाव के कारण लो उसे 'संत जुलाह' कहा करते थे।
ई] जुलाहा तमिल्नाडू के किसी नगर में रहता था।

VIII 37] दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 12-15 वाक्यों में किसी एक विषय के बारे में निबंध लिखिए :- 1×4=4

(क)वन महोत्सव

विषय प्रवेश- वन महोत्सव का सम्बन्ध वनों से होता है। वनों और प्राणियों का सम्बन्ध बहुत पुराना है। मानव वनस्पति के बिना नहीं रह सकता, बड़े दुर्भाग्य की बात है कि इन वनों को अन्धाधुन्ध काटा जा रहा है। इस भूल के सुधार के लिए आजाद भारत ने 1950 ई० में वन महोत्सव मनाना आरम्भ किया। गाँवों और शहरों में यह उत्सव अलग-अलग प्रकार के वृक्ष लगाकर मनाया जाता है।

वनों का नाश :- वनों की अवैध कटाई ने पर्यावरण को काफी नुकसान पहुंचाया है। वर्षों से लगातार अवैध कटाई ने जहां मानवीय जीवन को प्रभावित किया है, वहीं असंतुलित मौसम चक्र को भी जन्म दिया है। वनों की अंधाधुंध कटाई होने के कारण देश का वन क्षेत्र घटता जा रहा है, जो पर्यावरण की दृष्टि से अत्यंत चिंताजनक है। विकास कार्यों, आवासीय जरूरतों, उद्योगों तथा खनिज दोहन के लिए भी, पेड़ों-वनों की कटाई वर्षों से होती आई है। कानून और नियमों के बावजूद वनों की कटाई धुआंधार जारी है। इसके लिए अवैज्ञानिक व बेतरतीब विकास, जनसंख्या विस्फोट व भोगवादी संस्कृति भी जवाबदेह है।

वृक्षों का उपयोग:-

वृक्षों से स्वास्थ्य लाभ होता है क्योंकि मनुष्य के श्वास प्रक्रिया से जो दूषित हवा बाहर निकलती है, वृक्ष उन्हे ग्रहण कर, हमें बदले में स्वच्छ हवा देते हैं| वृक्षों पर अनेक प्रकार के पक्षी अपना घोंसला बना कर रहते हैं और उनकी कल कल मधुर ध्वनि पर्यावरण में मधुरता घोलती है|वृक्षों से अनेक प्रकार के स्वाद भरे फल हमारे भोजन को रसमय और स्वादिष्ट बनाते हैं| इनकी छाल और जड़ों से दवाइयां बनाई जाती है|पशु वृक्षों से अपना भोजन ग्रहण करते हैं| इसलिए हमें अपनी धरती के आंचल को अधिक से अधिक हरा-भरा रखने के लिए पेड़ पौधे लगाने चाहिए| यह वर्षा कराने में सहायक होते हैं| मानसूनी हवाओं को रोककर

वर्षा कराना पेड़ों का ही काम है|वृक्षों के अभाव में वर्षा नहीं होती है और वर्षा के अभाव में अन्न का उत्पादन नहीं हो पाता है| गृह कार्य में वृक्ष हमें सुखद छाया और मंद पवन देते हैं| सूखे ब्रक्ष ईंधन के काम आते हैं| गृह निर्माण, गृह सज्जा, फर्नीचर, के लिए हमें वृक्षों से ही लकड़ी मिलती है| आमला, चमेली का तेल, गुलाब, केवड़े का इत्र, खस की खुशबू यह सभी वृक्षों और उनकी जडो से ही बनाए जाते हैं|

.उपसंहार:- वन महोत्सव हमें वृक्षों की उपयोगिता की शिक्षा प्रदान करते है इससे हम विदित होते है कि वृक्ष हमारी अमल्य सम्पति हैं। इनके अभाव में मानव जीवन तो क्या प्राणी जीवन भी प्रभावित होता है। मानव जीवन तथा प्राणी समाज को बचाने के लिए तथा उसमें समुचित विकास करने हेतु और वातावरण को सन्तुलित रखने के लिए पेड-पौधों को लगाना अति आवश्यक है।

(ख) स्वच्छता और स्वास्थ्य प्रस्तावना :

स्वस्थ जीवन जीने के लिए स्वच्छता का विशेष महत्व है। स्वास्थ्य को नष्ट करने के जितने भी कारण हैं, उनमें गंदगी प्रमुख है। बीमारियाँ गंदगी में ही फैलती हैं। राष्ट्रपिता गांधी ने भारत के स्वतंत्रता से पहले अपने समय के दौरान " स्वच्छता आजादी से अधिक महत्वपूर्ण है" कहा था आजादी के कई वर्षों बाद सफाई के बारे में एक अभियान शुरू हुआ है।

महत्व :

2014 अक्टूबर 2 महात्मागांधीजी के जन्म दिन के अवसर पर भारत के प्रधान मंत्री ने स्वच्छ भारत अभियान नामक एक अभियान शुरू किया इस अभियान के पूरे होने का लक्ष्य 2019 है। जो कि महात्मा गांधी की 150वीं जयंती है। स्वच्छ भारत अभियान पूरी तरह से देश की आर्थिक क्षमता के साथ जुड़ा हुआ है। इस अभियान को शुरुआत करने का प्रमुख कारण लोगों को स्वच्छता की ओर जागृत करना, शौचालय की सुविधा देना, स्वच्छता से जीने के लिए प्रेरणा देना और स्वस्थ जीवन की नींव डालना।

उपसंहार : भारत के प्रधानमंत्री ने हर भारतीय को स्वच्छता के लिए 100 घंटे प्रति वर्ष समर्पित करने के लिए अनुरोध किया है। इसलिए हम सब को इस अभियान को साकार बनाने के लिए कार्य प्रवृत्त होना चाहिए।

(ग) इंटर्नेट

अर्थ : इंटर्नेट का अर्थ अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतर्जालों का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है।

लाभ: इंटरनेट के द्वारा घर बैठे-बैठे खरीदारी कर सकते हैं । कोई भी बिल भर सकते हैं । इंटरनेट बैंकिंग द्वारा दुनिया के किसी भी कोने में जितनी भी चाहे रकम भेजी जा सकती है। सचित्र संभाषण किया जा सकता है । सोशियल नेटवर्किंग द्वारा दुनिया के किसी भी देश के रहन-सहन, वेश-भूषा की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। मुक्त संभाषण भी संभव है।

इंटरनेट के उपयोग में सतर्कता : इंटरनेट की वजह से पैरसी, बैंकिंग फ्रॉड, हैकिंग आदि बढ़ रही है । मुक्त वेबसाइट से चैटिंग आदि से युवा पीढ़ी इंटरनेट के कबंध बाहों के पाश में फंसी हुई हैं । इंटरनेट की वजह से अनुपयुक्त जानकारी हासिल कर रहे हैं। इससे सतर्क रहना चाहिए ।

उपसंहार : इंटरनेट एक ओर वरदान है तो, दूसरी ओर अभिशाप भी है। इसलिए छोटे बच्चों से लेकर बड़े - बूढ़ों तक सचेत रहना चाहिए।

IX 38] निम्नलिखित विषय के बारे में पत्र लिखिए :- 5×1=5

प्रेषक, दिनांक: 10-11-2019

महबूब बाषा एम
दसवींकक्षा
सरकारी हाईस्कूल
एस.आर.कालोनी
बल्लारी-583101

पूज्यमाताजी,

सादरप्रणाम।

मैं यहाँ आपके आर्शीर्वाद से कुशल हूँ। आपका पत्र मिला। आप मेरी आगामी परीक्षाओं के परिणाम को लेकर चिंतितन हों।मैं नियमित रूप से कठिन परिश्रम कर रहा हूँ।आपकाभी चिंतित होना स्वाभाविक ही है।परन्तु, मैंआपको विश्वास दिलाताहूँ कि गतवर्षों की तरह इस वर्ष भी सम्मानजनक परिणाम प्राप्त कर पाऊँगा। मैं अपने कार्य व प्रयास में नियमित हूँ और सभी विषयों को समान महत्व दे रहा हूँ। विद्यालय में सभी विषयों के पाठ्यक्रम पूरे हो चुके हैं।मैं घरपर उन्हें दुहरा रहा हूँ।थोड़ा भी संदेह होने पर तुरंत अध्यापकों से संपर्क कर लेता हूँ।

पिताजी को मेरा प्रणाम, छोटी बहन सीमा को ढेर सारा प्यार।

आपका आज्ञाकारी पुत्र
महबूब बाषा एम

सेवामें,

हीना कौसर
पटेल नगर
बल्लारी-583101

प्रेषक, **दिनांक: 08-03-2021**

महबूब बाषा एम
दसवींकक्षा
सरकारी हाईस्कूल
एस.आर.कालोनी
बल्लारी-583101

सेवामें,

प्रधानाध्यपक
सरकारी हाईस्कूल
एस.आर.कालोन
बल्लारी-583101

पूज्य गुरुजी,

विषय:छुट्टी के लिए प्रार्थना पत्र।

उपर्युक्त विषयानुसार आपसे सविनय निवेदन है कि मेरी तबीयत ठीक न होने के कारण मैं पाठशाला को आने असमर्थ हूँ। इसलिए आप दिनांक 09-03-2021 से 11-03-2021 तक तीन दिनों की छुट्टी देने की कृपा करें।

"धन्यवादकेसाथ"

आपका आज्ञाकारी छात्र
महबूब बाषा एम